ECHO OF HIS CALL

बुलावे की प्रतिध्वनि

HINDI

₹ 10/-

India's National Spiritual Newspaper

16 Languages

Published monthly in ENGLISH, TAMIL, MALAYALAM, TELUGU, HINDI, KANNADA, MARATHI, BENGALI, GUJARATI, ODIYA, ASSAMESE, PUNJABI, NEPALI, URDU, SINHALA & AFRIKAN

Hon. Editor-in-Chief: REV. DR. ANGELINE SELVAKUMARI HENRY

Associate Editor : Sis. DOROTHY S. THOMAS

Vol. XXXI YEAR OF OUR LORD JESUS CHRIST, 2026 NOVEMBER No. 12

पवित्र बाइबल!
इन वचनों को याद करें
परमेश्वर की स्तुति हो

भजनसंहिता 46:1-7

1 परमेश्वर हमारा शरणस्थान और बल है, संकट में अति सहज से मिलनेवाला सहायक।

2 इस कारण हम को कोई भय नहीं चाहे पृथ्वी उलट जाए, और पहाड़ समुद्र के बीच में डाल दिए जाएँ;

3 चाहे समुद्र गरजे और फेन उठाए, और पहाड़ उसकी बाढ़ से काँप उठे।

4 एक नदी है जिसकी नहरों से परमेश्वर के नगर में अर्थात् परमप्रधान के पवित्र निवास स्थान में आनन्द होता है।

5 परमेश्वर उस नगर के बीच में है, वह कभी टलने का नहीं; पौ फटते ही परमेश्वर उसकी सहायता करता है।

6 जाति जाति के लोग झल्ला उठे, राज्य राज्य के लोग डगमगाने लगे; वह बोल उठा, और पृथ्वी पिघल गई।

7 सेनाओं का यहोवा हमारे संग है; याकूब का परमेश्वर हमारा ऊँचा गढ़ है।



आपके पास एक शरणस्थान है! पीछे मुड़कर न देखें!

YOU HAVE A REFUGE! DON'T LOOK BACK!

बहन एंजेलिन



हमारे पिता परमेश्वर और हमारे प्रभु यीशु मसीह की ओर से आपको अनुग्रह और शांति मिले, जिसने हमारे पापों के लिए अपने आप को दे दिया और हमें दुश्मन की चालों से बचाता है। वह हमारा शरणस्थान, हमारा गढ़ और संकट के समय हमेशा साथ देने वाला सहायक है।

"एको ऑफ़ हिज़ कॉल" परिवार का हिस्सा बनने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। इस पत्रिका के माध्यम से हर महीने आपके साथ जुड़ने का मौका पाकर हम बहुत आभारी हैं।

यदि यह पत्रिका आपके लिए आशीष का कारण बनी है, तो हमें आपसे सुनकर खुशी होगी। कृपया बेझिझक अपनी गवाहियाँ, विचार और सुझाव हमारे साथ साझा करें। आपका प्रोत्साहन हमारे लिए बहुत मायने रखता है।

परमेश्वर हमारा शरणस्थान है!

परमेश्वर में सुरक्षा, सामर्थ्य और आशा पाना

पृष्ठ 3 से क्रमशः...

एको ऑफ हिज़ कॉल 5 मिनिट का संदेश!!



यू ट्यूब *मसीही चैनल!*

तुम्हें पास्टर एस. सैम सिल्वा राज के साथ प्रार्थना करने का अवसर मिलेगा!

अंग्रेजी, हिन्दी, तमिल और तेलुगू

प्रतिदिन सुबह 2 बजे तमिल रविवार सभा - सुबह 8:30 बजे

★ Please Subscribe and Share ★

ECHO OF HIS CALL - (Marching towards 60th year)

Estd. 1969

from your dearly beloved brother...





Founders

"तुम्हारी नामधराई के बदले दूना भाग मिलेगा, अनादर के बदले तुम अपने भाग के कारण जयजयकार करोगे; तुम' अपने देश में दूने भाग के अधिकारी होंगे; और सदा आनन्दित बने रहोगे।" यशायाह 61:7.

प्रिय मित्रों,

हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के मधुर नाम में अभिवादन!

एको ऑफ़ हिज़ कॉल का यह अंक पढ़ने के लिए धन्यवाद। परमेश्वर आपको आशीष दे!

मुझे आपको यह बताना है कि मेरी प्रिय पत्नी श्रीमती जेसी वीना सैम, फेफड़ों की लंबी बीमारी के बाद 20 सितंबर 2026 को रात 10.30 बजे स्वर्ग सिधार गईं। उन्होंने पिछले 52 वर्षों से मेरे साथ हमारे प्रभु की निष्ठापूर्वक सेवा की थी। उन्होंने अपनी दौड़ सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। हम जल्द ही उनसे हवा में (मसीह के आने पर) फिर मिलेंगे। आइए, मेरे साथ उनके सार्थक जीवन के लिए अपने परमेश्वर की स्तुति करें।



हमारी बेटी एंजेलिन को एको ऑफ़ हिज़ कॉल की भविष्य की सेवकाई को आगे बढ़ाने के लिए नियुक्त किया गया है।



Rev. Dr. M. Muthu, Chairman, Bro. Moses (grandson), Pr. Sam, Sis. Andrea & Rev. Angeline



OUR MISSION POLICY

We should expound and teach the contemporary generation the undiluted teachings of the ancient and early Apostles. It is the need of the hour.

HON. EDITOR-IN-CHIEF
Rev. Dr. Angeline Selvakumari Henry, M.A., M.Sc., M.Ed.

CONTRIBUTING EDITOR
Sis. Andrea Christmas Henry

EX MANAGING EDITOR
Pastor Alex Samson Sam, B.Th., M.Div.

EX ADMINISTRATOR
Sis. Jesy Veena Sam

GENERAL MANAGER
Bro. N. Prakasam, M.A., M.Sc.(C&P), PGDHRM, MBA.

ADMINISTRATION
Adv. K. Puratchivendan, M.Com., C.A., B.L.
Dr. P.E.R. Premchand, M.Sc., M.A., M.Ed., Ph.D.
Dr. C.G.S. Baburao, B.Tech., M.Tech. (DM), Ph.D.
Dr. Rabinder Boaz, M.S. (CMC)

EDITORIAL BOARD
Sis. Sajini Cherian
Rev. Dr. J. John Rajarathnam, B.E.S., B.D., M.Th.
Rev. Dr. K.R. Rajasekaran
Adv. N. Balaji, B.Com., M.L.

EDITOR, PUBLISHER & PRINTER
Pastor S. SAM SELVA RAJ
Echo of His Call Printers
10, Mohammed Abdullah 2nd Street,
Chepauk, Chennai- 600 005, India.
Phone : (+ 91- 44) 2852 8282, 2852 9293
Cell : (+91) 98410 71852, 98412 71858

E.MAIL
sam@echoofhiscall.org
biblecor@yahoo.co.in

WEBSITES
www.echoofhiscall.org
www.stpaulsmatriculation.org

YOUTUBE CHANNEL
Echo of His Call

26 सितंबर को सुबह 9:30 बजे से दोपहर 2:30 बजे तक, हमारे मुख्य चर्च में "यीशु का परिवार" विषय पर एक बहुत ही सुंदर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें लगभग 100 पुरुष और महिलाओं ने भाग लिया। हमारे "नहेमायाह बाइबल कॉलेज" के प्राचार्य, रेव्हरेंड डॉ. जे. जॉन राजारत्नम इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता थे। सभी को एक नए अभिषेक का अनुभव हुआ और वे बहुत आशीष पाकर गए। "एको ऑफ हिज़ कॉल मिनिस्ट्रीज़" के लिए प्रार्थना करने और हमारे साथ खड़े रहने के लिए हम आपके आभारी हैं। कृपया आगे भी ऐसा ही करते रहें। परमेश्वर आपको आशीष दे!



मसीह यीशु में, आपके सेवक,

पास्टर एस. सैम सिल्वा राज
Email: sam@echoofhiscall.org

पृष्ठ 1 से आगे...

परमेश्वर के नाम!

बाइबल हमें कई नामों और उपाधियों के माध्यम से परमेश्वर के बारे में बताती है; हर नाम उसके चरित्र, स्वभाव और अपने लोगों के साथ उसके रिश्ते के बारे में कुछ न कुछ बताता है।

परमेश्वर का एक वर्णन जिसने मुझे विशेष रूप से प्रभावित किया है, वह यह है :

वह हमारा शरणस्थान है।

मुझे नहीं पता कि दूसरी भाषाओं में इसके लिए कितने अलग-अलग शब्द इस्तेमाल किए जाते हैं, लेकिन तमिल बाइबल में शरणस्थान के विचार को "मरैविडम", "पुगलिदम" और "अडैकलम" जैसे शब्दों के माध्यम से बहुत खूबसूरती से व्यक्त किया गया है - यानी छिपने की जगह, आश्रय की जगह, सुरक्षा की जगह, और ऐसी जगह जहाँ हम पूरी तरह से ढके और सुरक्षित रहते हैं।

शरणस्थान वह जगह है जहाँ कोई व्यक्ति विपत्ति आने पर भागकर जा सकता है - यह सुरक्षा, आश्रय और आने वाली विपत्ति से बचाव की जगह होती है।

और हमारे परमेश्वर की कितनी सुंदर तस्वीर है यह!

जब हमारे आस-पास सब कुछ अनिश्चित लगता है, तब भी परमेश्वर हमारी सुरक्षित जगह बना रहता है।

परमेश्वर के हमारा शरणस्थान होने के बारे में बाइबल क्या कहती है?

बाइबल हमें बार-बार याद दिलाती है कि परमेश्वर हमारा शरणस्थान है :

सचमुच वही, मेरी चट्टान और मेरा उद्धार है,
वह मेरा गढ़ है, मैं अधिक न डिगूंगा।
भजन संहिता 62:2

परमेश्वर हमारा शरणस्थान और बल है, संकट में अति सहज से मिलनेवाला सहायक। भजन संहिता 46:1

मैं यहोवा के विषय कहूंगा, "वह मेरा शरणस्थान और गढ़ है; वह मेरा परमेश्वर है, मैं उस पर भरोसा रखूंगा।" भजन संहिता 91:2

हे लोगो, हर समय उस पर भरोसा रखो; उससे अपने अपने मन की बातें खोलकर कहो; परमेश्वर हमारा शरणस्थान है। भजन संहिता 62:8

यहोवा भला है; संकट के दिन में वह दृढ़ गढ़ ठहरता है, और अपने शरणागतों की सुधि रखता है। नहूम 1:7

यहोवा का नाम दृढ़ गढ़ है, धर्मी उसमें भागकर सब दुर्घटनाओं से बचता है। नीतिवचन 18:10

परमेश्वर का एक एक वचन ताया हुआ है, वह अपने शरणागतों की ढाल ठहरा है। नीतिवचन 30:5

कितना शानदार भरोसा है!

परमेश्वर सिर्फ़ कोई ऐसा नहीं है जिसके पास हम कभी-कभार जा सकें। वह हर समय हमारी शरण-स्थान है।

एक निजी सवाल!

हममें से कितने लोग सच्चे दिल से कह सकते हैं:

"वह मेरा शरण-स्थान है। वही मेरा शरण-स्थान है"?

जब मैंने इस सच्चाई पर मनन किया, तो मुझे एहसास हुआ कि परमेश्वर का हमारा शरण-स्थान होने का विचार कितना शक्तिशाली और दिलासा देने वाला है।

इसने मुझे पुराने नियम में बताए गए शरण नगरों का स्मरण दिलाया। मैंने इन नगरों के बारे में जितना ज़्यादा अध्ययन किया, उतना ही गहराई से मैं उस अद्भुत शरण-स्थान को समझने लगा जो हमें हमारे प्रभु यीशु मसीह में मिला है।

शरण नगर!

जब परमेश्वर ने इस्राएल के गोत्रों को प्रतिज्ञा किया हुआ देश दिया, तो लेवियों को दूसरे गोत्रों की तरह ज़मीन का कोई हिस्सा विरासत में नहीं मिला। प्रभु स्वयं ही उनकी विरासत था ।

और लेवियों का तुम्हारे मध्य में कोई भाग न होगा, क्योंकि यहोवा का दिया हुआ... यहोशू 18:7 ।

फिर भी, हर गोत्र को लेवियों के लिए अपनी ज़मीन का कुछ हिस्सा देना पड़ा। उन्हें पूरे इस्राएल में नगर दिए गए। कुल मिलाकर, उन्हें ४८ नगर मिले, और उनमें से छह को शरण नगर घोषित किया गया।

ये छह नगर पूरे देश में इस तरह से बांटे गए थे कि विपत्ति में पड़ा कोई व्यक्ति बहुत लंबी या मुश्किल यात्रा किए बिना उनमें से किसी एक तक पहुँच सके।

शरण नगरों का मकसद!

गिनती 35:22–28 में इन नगरों का मकसद बताया गया है।

ऐसे हालात भी होते थे जब एक व्यक्ति के हाथों अनजाने में दूसरे की मौत हो जाती थी। ऐसे मामले में, मौत के लिए ज़िम्मेदार व्यक्ति "खून

का बदला लेने वाले" से बचने के लिए शरण-स्थान वाले नगरों में से किसी एक में भाग सकता था।

तब सभा उस व्यक्ति के बीच, जिसकी वजह से मौत हुई थी, और खून का बदला लेने वाले के बीच फ़ैसला करती थी।

अगर यह तय हो जाता था कि मौत दुर्घटना से हुई है, तो हत्या करने वाला व्यक्ति उस समय तक शरण-स्थान वाले नगर में रह सकता था जब तक कि सेवा करने वाले महायाजक की मौत न हो जाए।

लेकिन, एक ज़रूरी शर्त थी :

उसे नगर की सीमाओं के भीतर ही रहना होता था। अगर यह महायाजक की मौत से पहले जान-बूझकर शरण नगर से बाहर चला जाता, तो उसे सुरक्षा नहीं मिलती और खून का बदला लेने वाला बिना किसी अपराध के उसे मार सकता था।

महायाजक की मौत के बाद, हत्या करने वाला व्यक्ति अपने देश लौटने के लिए आज़ाद था।

शरण की कितनी ज़बरदस्त तस्वीर है यह!

शरण नगरों से हमें क्या सीख मिलती है?

1. इनसे सुरक्षा मिलती थी।

शरण के नगर उस व्यक्ति को खून का बदला लेने वाले से बचाते थे जिसने अनजाने में किसी की जान ले ली हो, ताकि सही फ़ैसला हो सके।

2. ये सुरक्षित जगह देते थे।

अगर यह साबित हो जाता कि व्यक्ति ने अनजाने में किसी की जान ली है, तो वह सुरक्षा के साथ उस नगर में रह सकता था।

3. यहां आसानी से जा सकते थे।

छह नगर पूरे इलाके में फैले हुए थे, जिससे जिन्हें ज़रूरत थी, वे आसानी से वहां पहुंच सकते थे।

4. ये सिर्फ़ इस्राएलियों के लिए नहीं थे।

यह इंतज़ाम सिर्फ़ इस्राएलियों के लिए ही नहीं, बल्कि उनके बीच रहने वाले विदेशियों और परदेसियों के लिए भी था।

5. सुरक्षा की कुछ सीमाएं थीं।

जो व्यक्ति भागकर नगर में आता था, उसे उसकी सीमाओं के अंदर ही रहना पड़ता था। नगर से बाहर निकलने का मतलब था सुरक्षा वाली जगह को छोड़ देना था।

6. यह सुरक्षा मुख्य याजक के जीवन से जुड़ी थी।

हत्या करने वाला व्यक्ति उस शहर में तब तक रहता था जब तक कि सेवा करने वाले मुख्य याजक की मृत्यु न हो जाए। उसके बाद, वह अपनी विरासत में वापस लौट सकता था।

क्या आप उस व्यक्ति की राहत की कल्पना कर सकते हैं जो अनजाने में हुई मौत के बाद अपनी जान बचाने के लिए भाग रहा हो, और उसे पता हो कि एक ऐसा नगर है जहां उसे सुरक्षा मिल सकती है?

शरण के छह शहर!

परमेश्वर ने छह शरण नगर ठहराए, जो यरदन नदी के दोनों ओर तीन-तीन थे।

यरदन के पश्चिम में

केदेश – नप्ताली के पहाड़ी इलाके में, उत्तरी क्षेत्र में।

शकेम – एप्रैम के पहाड़ी इलाके में, मध्य क्षेत्र में। (गलील)

हेब्रोन (किर्यत-अरबा) – यहूदा के पहाड़ी इलाके में, दक्षिणी क्षेत्र में।

यरदन के पूर्व में

गोलन – बाशान में, उत्तरी क्षेत्र में। (मनश्शे के गोत्र को दिया गया)

गिलाद में रामोत – मध्य क्षेत्र में, गाद गोत्र के इलाके में।

बेजेर – पठार पर, रूबेन के इलाके में, दक्षिणी क्षेत्र में।

इन नगरों को जानबूझकर ऐसी जगहों पर बसाया गया था ताकि शरण की जगह पहुंच से दूर न हो।

नए नियम में शरण!

तो आज विश्वासियों के तौर पर हमारे लिए शरण की इस तस्वीर का क्या मतलब है?

हमारी असली शरण प्रभु यीशु मसीह है।

शरण के नगरों ने पुराने नियम के तहत अस्थायी सुरक्षा दी थी। लेकिन प्रभु यीशु मसीह हमें उससे कहीं ज़्यादा बड़ी चीज प्रदान करता है।

उसकी मृत्यु कोई दुर्घटना नहीं थी।

उसने हमें हमारे पापों से बचाने के लिए अपनी इच्छा से अपनी जान दी।

परन्तु परमेश्वर हम पर अपने प्रेम की भलाई इस रीति से प्रगट करता है कि जब हम पापी ही थे तभी मसीह हमारे लिये मरा। रोमियों 5:8

प्रभु यीशु मसीह ने मृत्यु पर विजय पाई और फिर से जी उठा!

और पृथ्वी के महायाजकों के विपरीत, जिनका जीवन आखिरकार खत्म हो जाता है, हमारा महान महायाजक सदा जीवित है।

इसलिए, हमारी शरण अस्थायी नहीं है।

हमारी शरण अनंत है!

रोमियों 6:9 कहता है

क्योंकि यह जानते हैं कि मसीह मरे हुओं में से जी उठकर फिर मरने का नहीं; उस पर फिर मृत्यु की प्रभुता नहीं होने की।

कितना अद्भुत भरोसा है!

प्रभु यीशु मसीह हमारी शरण तब बना जब हम पापी थे – जब हम परमेश्वर से दूर और उससे अलग थे।

लेकिन वह नहीं चाहता कि हम दूर रहें।

वह हमें बुलाता है कि हम उसके निकट आएं।

पृष्ठ 6 में क्रमशः...

GREAT COMMISSION PARTNERS
ECHO OF HIS CALL MINISTRIES SINCE 1969

महान आदेश के भागी

❋ भार उठना (गलातियों 6:2), ❋ सहायता करना (रोमियों 12:13) और ❋ चमकाना (2 तीमु. 1:6)

स्तुति और प्रार्थना निवेदन

19 नवम्बर 2026, से 18 दिसम्बर 2026 तक

(कृपया इस पृष्ठ को फाड़िये, घड़ी कीजिए और उसे अपनी बाइबल में रखकर निरंतर प्रार्थना कीजिए।)



स्तुति विषय

19 नवंबर : हमारे समर्पित संडे स्कूल शिक्षकों के लिए।

20 नवंबर : हमारे मुख्य चर्च और उसकी शाखाओं में संडे स्कूल के लिए और बच्चे मिलने के आशीर्वाद के लिए।

21 नवंबर : हमारी अस्पताल सेवकाई में परमेश्वर के अद्भुत आश्चर्यकर्म हों।

22 नवंबर : "एको ऑफ़ हिज़ कॉल" मासिक पत्रिका की सेवकाई में सहायता करने वाले समर्पित सहायक सम्पादकों का साथ मिलना है।

23 नवंबर : हमारी संस्था को नए कर्मचारी मिले हैं।

24 नवंबर : हमारी कलीसिया में आए नए विश्वासियों के लिए।

25 नवंबर : हमारे सेंट पॉल्स मैट्रिकुलेशन स्कूल के प्रधानाचार्य, शिक्षक और अन्य कर्मचारी सदस्यों के लिए।

26 नवंबर : हमारे सीनियर पास्टर, जो कई तरह की सेवकाइयों के ज़रिए सुसमाचार फैलाने के प्रति समर्पित हैं।

27 नवंबर : हमारे सभी कर्मचारी सदस्यों और उनके परिवारों पर आशीष के लिए।

28 नवंबर : नियमित रूप से हमारी सहायता करने वालों के लिए और हमारी सेवकाई में उनकी विश्वासयोग्यता के साथ सक्रिय भागीदारी के लिए।

29 नवंबर : हमारे क्षेत्र में कार्यरत मिशनरी और उनके परिवारों के लिए।

30 नवंबर : हमारी मीडिया मिनिस्ट्री (यू ट्यूब) के कर्मचारियों पर आशीष के लिए स्तुति हो, जो उन लोगों तक पहुँचने में हमारी मदद करने के लिए समर्पित हैं, जिन तक अभी सुसमाचार नहीं पहुँचा है।

01 दिसंबर : हमारे स्टेट कोऑर्डिनेटर्स और उनके परिवारों पर आशीष के लिए।

02 दिसंबर : हमारी सेवकाई की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए।

03 दिसंबर : हमारे सेंट पॉल्स मैट्रिकुलेशन स्कूल और नेहेमायाह बाइबिल कॉलेजों पर उनकी आशीष के लिए।

कृपया प्रार्थना करें

04 दिसंबर : हमारे सीनियर पास्टर और उनके परिवार की सुरक्षा के लिए।

05 दिसंबर : हमारे देश के सभी नागरिकों के बीच एकता के लिए।

06 दिसंबर : हमारे सहायक सम्पादकों और उनके परिवारों की भलाई के लिए।

07 दिसंबर : दुनिया भर के राष्ट्रपतियों, प्रधानमंत्रियों और सभी सरकारी अधिकारियों की सुरक्षा के लिए।

08 दिसंबर : हमारे नेहेमायाह बाइबिल कॉलेज और सेंट पॉल्स मैट्रिकुलेशन स्कूल के लिए।

09 दिसंबर : शराबियों और नशा करने वालों के पश्चाताप के लिए।

10 दिसंबर : भारत में उन जगहों तक सुसमाचार पहुंचाने के लिए परमेश्वर की दया हेतु, जहां अभी तक यह नहीं पहुंचा है।

11 दिसंबर : दुनिया भर के सभी चर्चों और पास्टरों पर प्रभु की भरपूर आशीष के लिए।।

12 दिसंबर : हमारे राज्य के कोऑर्डिनेटर्स और उनके परिवारों की सेहत और सुरक्षा के लिए।

13 दिसंबर : हमारे क्रिसमस के उत्सव और नए साल २०२७ की 'वॉच नाइट सर्विस' के लिए।

14 दिसंबर : दुनिया के सभी देशों के बीच ईमानदारी और एकता के लिए।

15 दिसंबर : दुनिया भर में सभी महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए।

16 दिसंबर : युवाओं में आत्महत्या की सोच को खत्म करने के लिए।

17 दिसंबर : हमारी संस्था में सही कर्मचारियों की भर्ती के लिए।

18 दिसंबर : हमारे सेवा-कार्य के विस्तार और दुनिया भर में सुसमाचार के प्रचार के लिए।

पृष्ठ 4 से आगे...

वह हमें पूरा भरोसा करने के लिए बुलाता है।

वह हमें बुलाहट देता है कि हम उसे अपना निवास स्थान, अपनी शरण, अपना मजबूत गढ़ और अपना शरण स्थान बनाएं।

बाइबल कहती है :

जो यहोवा पर भरोसा रखते हैं, वे सिय्योन पर्वत के समान हैं, जो टलता नहीं, वरन् सदा बना रहता है। - भजन संहिता 125:1

एक और अनुवाद कहता है - **अगर हम उस पर भरोसा रखें तो हम हारेंगे नहीं।**

प्रिय भाइयों और बहनों, परमेश्वर आपकी परिस्थितियों को जानता है। मैं आपको प्रोत्साहित करती हूं कि आप चखकर देखें कि परमेश्वर कितना भला है।

जब हमारा भरोसा परमेश्वर पर होता है, तो तूफान आ सकते हैं, हवाएं चल सकती हैं और परिस्थितियां बदल सकती हैं - लेकिन हमारी नींव अटूट रहती है क्योंकि हमारी शरण देने वाला विश्वासयोग्य है।

एक वैकल्पिक शरण : झूठ की शरण!

लेकिन बाइबल हमें एक और तरह की शरण के बारे में भी चेतावनी देती है - एक झूठी शरण।

यशायाह 28:15 कहता है :

...हमने झूठ की शरण ली और मिथ्या की आड़ में छिपे हुए हैं।

परमेश्वर को अपनी शरण बनाने के बजाय, लोग अक्सर उन चीज़ों पर भरोसा करते हैं जो आखिरकार उन्हें बचा नहीं सकतीं।

हम जानते हैं कि झूठ का पिता कौन है।

शैतान ने लोगों को उन चीज़ों पर भरोसा करने के लिए प्रोत्साहित करके मानवता को धोखा दिया है जो अस्थायी, कमज़ोर और स्थायी सुरक्षा प्रदान करने में असमर्थ हैं।

ऐसी कौन सी चीज़ें हैं जो हमारी झूठी शरण बन सकती हैं?

धन, प्रसिद्धि, शिक्षा, ताकत, पद, प्रतिभा, सफलता, रिश्ते, भौतिक संपत्ति वगैरह। इनमें से कोई भी चीज़ ज़रूरी नहीं कि बुरी हो।

ख़तरा तब होता है जब हम परमेश्वर को अपना सहारा बनाने के बजाय इन्हें अपना सहारा बना लेते हैं।

जब कोई बनाई हुई चीज़ बनाने वाले (सृष्टिकर्ता) की जगह ले लेती है, तो वह एक झूठा सहारा बन जाती है।

यह झूठ का सहारा बन जाता है। और हर झूठा सहारा अंत में नाकाम हो जाता है।

यशायाह 28:17–18 हमें एक गंभीर तस्वीर दिखाता है :

और मैं न्याय को डोरी और धर्म को साहुल ठहराऊंगा; और तुम्हारा झूठ का शरणस्थान ओलों से बह जाएगा, और तुम्हारे छिपने का स्थान जल से डूब जाएगा। तब जो वाचा तुम ने मृत्यु से बांधी है वह टूट जाएगी, और जो प्रतिज्ञा तुम ने अधोलोक से कराई वह न ठहरेगी।

झूठ पर बनी हर चीज़ अंत में ढह जाएगी।

लेकिन परमेश्वर की स्तुति हो - हमारे पास इससे कहीं बेहतर चीज़ है!

हमारे पास एक जीवित उद्धारकर्ता है।

हमारे पास एक मज़बूत नींव है।

हमारे पास कोने का मुख्य पत्थर है - प्रभु यीशु मसीह।

यशायाह 28:16 कहता है :

देखो, मैं ने सिय्योन में नींव का एक पत्थर रखा है, एक परखा हुआ पत्थर, कोने का अनमोल और अति दृढ़ नींव के योग्य पत्थर : और जो कोई विश्वास रखे वह उतावली न करेगा।

कितना बड़ा फ़र्क है!

झूठ का सहारा ढह जाएगा।

लेकिन मसीह में जो सहारा हमें मिला है, वह कभी नाकाम नहीं होगा।

आज हमारा सहारा कहां है या क्या है?

एक ज़रूरी बात है जिसे हमें समझने की ज़रूरत है।

जो व्यक्ति शरण नगर में भागकर जाता था, उसे उस नगर के भीतर ही रहना पड़ता था। अगर वह जान-बूझकर उसकी सीमाओं से बाहर कदम रखता, तो वह खुद को ख़तरे में डाल लेता।

इसी तरह, विश्वासियों के तौर पर, हमें मसीह में बने रहना सीखना चाहिए।

प्रभु यीशु मसीह ने कहा :

वैसे ही तुम भी यदि मुझ में बने न रहो ... यूहन्ना 15:4।

हमारी सुरक्षा इसमें नहीं है कि हम

पृष्ठ 9 में क्रमशः...

NEHEMIAH BIBLE COLLEGES,
Rush for Admission!
Chepauk, Santhoshapuram & Velachery Chennai.
Medium :Tamil (Part Time)
Hindi (Part Time)
Qualification : 10th Standard & above
Diploma in Theology & Bachelor of Theology
Contact :
The Chairman, Nehemiah Bible College.
10, MOHAMMED ABDULLAH 2ND STREET, CHEPAUK, CHENNAI - 600 005, INDIA.
Phone : (+91-44) 2852 8282, Cell : (+91) 98410 71852 / 95661 31858
E.mail : sam@echoofhiscall.org / Website : www.echoofhiscall.org
Recognised by International Christian Leaders & Senior Pastors for the past 57 years

MAIN CHURCH PROGRAMMES

1. Prayer Service : 24 hours
2. **ECHO OF HIS CALL** - Monthly Magazines :English, Tamil, Malayalam, Telugu, Hindi, Kannada, Marathi, Gujarati, Bengali, Odiya, Nepali, Assamese, Punjabi, Urdu, Sinhala & Afrikaans.
3. **BIBLECOR** - Basic Bible Courses (English, Tamil & Hindi)
4. Theological Correspondence Courses: English & Tamil
5. Nehemiah Bible Colleges (Chepauk, Santhoshapuram & Velachery)
6. Branch Churches: Santhoshapuram, Balaji Nagar & Velachery
7. Great Commission Partners (Network of Pastors)
8. Training Programmes – Seminars & Retreats
9. Crusades
10. Literature Distribution and Follow Up
11. Gospel Printing Press - Publications
12. St. Paul's Matriculation School - Village English High School
13. Sunday Schools (Chepauk) : 10.30 a.m. Sunday & (Velachery, Balaji Nagar & Santhoshapuram) 3.00 p.m. Sunday
14. **Early Morning Service : 5.30 a.m. Sunday**
15. **Preliminary Service : 8.00 a.m. Sunday**
16. **Tamil Service : 8.30 a.m. Sunday**
17. **Children School : 11.00 a.m. Sunday**
18. **Youth Meeting : 11.00 a.m. Sunday**
19. **Elders for Christ Meeting : 11.00 a.m. Sunday**
20. **Fellowship Lunch : 01.00 p.m. Sunday**
21. **Telugu Service : 4.00 p.m. Sunday**
22. **Hindi Service : 5.00 p.m. Sunday**
23. **Tamil & English Service : 6.00 p.m. Sunday**
24. Feedback Time : 8.00 p.m. Sunday
25. Women's Prayer : 5.30 p.m. Wednesday
26. Men's Prayer : 7.00 p.m. Friday
27. Discipleship Meeting : 6.00 p.m. Saturday
28. House Meetings : 6.30 p.m. Tuesday & Thursday
29. Special Holy Communion : 6.00 a.m. 1st day of each month
30. Workers Meeting : 5.30 p.m. First Saturday
31. Parents' Prayer : 4.00 p.m. First Sunday
32. Night Prayer : 9.30 p.m. Third Friday
33. Fasting Prayer : 9:30 a.m. Second Saturday
34. Holy Communion : Second Sunday Service
35. Youth / Kid Prayer : 10.00 p.m. daily (over phone)
36. Staff Devotion : 9.00 a.m. daily
37. Office : 9.00 a.m. to 9.00 p.m. (except Sundays)

कर में छूट

किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था द्वारा "एको ऑफ हिज़ कॉल एज्युकेशनल ट्रस्ट" को दिया गया दान आयकर कानून की धारा ८० जी. के तहत कर मुक्त माना जाता है. इसके लिए अधिकृत रसीद दी जाएगी। दानदाताओं से निवेदन है कि वे अपने चेक तथा ड्राफ्ट **"एको ऑफ हिज़ कॉल एज्युकेशनल ट्रस्ट"** के नाम पर आपके आधार कार्ड और पैन कार्ड के साथ भेज दें

Account Name	:	**ECHO OF HIS CALL EDUCATIONAL TRUST**
Account Number	:	**1023 2923 805**
Bank Name	:	**STATE BANK OF INDIA**
Branch	:	**TRIPLICANE, CHENNAI - 600 005**
IFSC Code	:	**SBIN 0000249**
SWIFT Code	:	**SBI NIN BB 455**

ऍको ऑफ हिज़ कॉल पत्राचार पाठ्यक्रम केवल भारत में उम्मीदवार के लिए

1. बाइबलकोर

हम नए मसीहियों और गैर–मसीहियों के लिए बाइबल के बुनियादी सत्य पर पत्राचार पाठ्यक्रम प्रस्तुत करते हैं अंग्रेजी–57 पृष्ठ, हिन्दी–76 पृष्ठ, और तमिल–96 पृष्ठ। आपको एक पाठ्यक्रम पुस्तक मिलेगी जिसका शीर्षक है नया जीवन – आपके लिए! इस कोर्स के पूरा होने के बाद आपको ***आपके लिए नया जीवन*** शीर्षक युक्त पाठ्यक्रम की एक पुस्तक प्राप्त होगी।

2. ईश्वरविज्ञान पत्राचार पाठ्यक्रम

ईश्वरविज्ञान पत्राचार पाठ्यक्रम नामक एडवान्स्ड डिस्टन्स एज्युकेशन पास्बानों, सुसमाचार प्रचारकों और मसीही अगुवों के लिए भी उपलब्ध है जिन्हें परमेश्वर की सेवा के लिए बोझ है– अंग्रेजी 537 पृ और तमिल 652 पृ ! शुल्क रु. 1000/– लिया जाएगा, 149 अध्यायों की सात पुस्तकें दी जाएगी। सर्टिफिकेट इन मिनिस्ट्री दिया जाएगा। परमेश्वर आपको आशीष दे!

अधिक जानकारी के लिए आज ही सम्पर्क करें।

The Chairman, Nehemiah Bible College,
Echo of His Call, **Post Box 2957**
CHEPAUK, CHENNAI - 600 005.
Ph.: (044) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766,
Cell : 98410 71852, 95661 31858
E.mail : biblecor@yahoo.co.in

एको ऑफ हिज़ कॉल मासिक पत्रिका विनामूल्य पाने का उत्तम अवसर

यदि आप डाक, पत्र, ईमेल, वॉट्स अप या फोन करके अपने मित्रों/रिश्तेदारों के पते भेज सके, तो हम उन्हें **एको ऑफ हिज़ कॉल** मासिक पत्रिका विनामूल्य भेजेंगे।



खाई से महल तक

(पास्टर एस. सॅम सेल्वा राज के जीवन अनुभव)

"जो पढ़े वह समझे" मत्ती 24:15

मैं तो दीन और दरिद्र हूं, तौभी प्रभु मेरी चिन्ता करता है... (भजनसंहिता 40:17)

लगभग पचास वर्ष पहले चेन्नई में एक विशाल बेदारी की सभा का आयोजन किया गया था। दक्षिण अफ्रीका से कुछ प्रसिद्ध प्रचारक आए थे, और परमेश्वर ने उनके माध्यम से अद्भुत चमत्कार किए। अनेक लोगों ने उन चमत्कारों को अपनी आंखों से देखा और पहली बार अपने जीवन में प्रभु यीशु मसीह के सुसमाचार को सुना। उस समय मैं एक स्वयंसेवक के रूप में उनकी सहायता कर रहा था।

अंतिम दिन की सभा समाप्त होने के बाद, अतिथियों और उन कार्यकर्ताओं की एक छोटी बैठक आयोजित की गई, जिन्होंने इन सभाओं को सफल बनाने के लिए परिश्रम किया था। उसी समय दक्षिण अफ्रीका से आए मुख्य अतिथि ने मुझे अपने पास बुलाया और मेरे बारे में पूछताछ की। उन्होंने बैनर लगाने, नए लोगों का स्वागत करने और सभाओं के दौरान उपस्थित लोगों की सहायता करने में मेरे उत्साह और परिश्रम की सराहना की।

उन्होंने मुझसे पूछा कि मैं कहां से आया हूं। फिर उन्होंने अनुरोध किया कि क्या मैं अगले दिन सुबह चार बजे हवाई अड्डे पर उनसे मिलने आ सकता हूं, क्योंकि वे भारत से रवाना होने वाले थे। मैंने उनसे विनम्रतापूर्वक कहा कि इतनी सुबह हवाई अड्डे पहुंचना मेरे लिए बहुत कठिन होगा। मेरे पास केवल एक पुरानी साइकिल थी, जो इतनी अच्छी हालत में नहीं थी कि मैं उससे हवाई अड्डे तक जा सकूं। इसके अलावा, मेरे घर से हवाई अड्डा पच्चीस किलोमीटर से भी अधिक दूर था।

तब उन्होंने तुरंत चारों ओर देखा और चेन्नई के एक प्रसिद्ध प्रचारक को अपने पास बुलाया। उन्होंने उनसे कहा, "ये भाई सैम सेल्वा राज हैं। मैंने देखा है कि इन्होंने कितने उत्साह और लगन से स्वयंसेवा की है। मुझे इनके जीवन में कुछ विशेष दिखाई देता है। भारत से रवाना होने से पहले मैं हवाई अड्डे पर इनके साथ कुछ समय बिताना चाहता हूं। ये बहुत गरीब हैं और कल सुबह हवाई अड्डे तक पहुंचने के लिए इनके पास कोई साधन नहीं है। यदि आप इन्हें अपनी कार में साथ ले आएं, तो मुझे बहुत खुशी होगी। आप तो वैसे भी मुझे विदा करने के लिए हवाई अड्डे आ ही रहे हैं।"

लेकिन उस प्रचारक ने मेरी सहायता करने के बजाय नाराज होकर मुख्य अतिथि से कहा, "मेरी कार में इस व्यक्ति को ले जाने के लिए जगह नहीं है। इन्हें हवाई अड्डे आने की अनुमति मत दीजिए।"

मुख्य अतिथि ने उनसे पूछा, "क्या आपके साथ हवाई अड्डे आने के लिए कोई और भी है?"

उन्होंने उत्तर दिया, "नहीं, मेरे साथ कोई नहीं आ रहा है। फिर भी मैं इस गरीब व्यक्ति की सहायता नहीं कर सकता।"

मुख्य अतिथि, जो स्वयं परमेश्वर के सेवक थे, उनकी बातें सुनकर बहुत हैरान और दुखी हुए। उन्होंने मुझे अपने पास बुलाया, मेरे सिर पर हाथ रखा और आंसुओं के साथ परमेश्वर से प्रार्थना की कि वह मुझे सांसारिक आशीषें भी प्रदान करे। फिर उन्होंने मुझसे कहा, "मेरे भाई सैम, मैं जानता हूं कि तुम उस महान परमेश्वर के अत्यंत विनम्र सेवक हो, जिसकी सेवा मैं भी करता हूं। मैं तुम्हारे जीवन और तुम्हारी सेवकाई के लिए समृद्धि की घोषणा करता हूं। जिस परमेश्वर की मैं सेवा करता हूं, वह अब स्वर्ग के झरोखे खोलकर तुम्हें अनेक गाड़ियां और भारत में तुम्हारी सेवकाई को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक सभी साधन प्रदान करेगा।"

इसके बाद उन्होंने मुझे एक और महत्वपूर्ण बात समझाई, "कल सुबह जब यह भाई हवाई अड्डे के लिए रवाना हो, जिसने तुम्हें अपनी कार में ले जाने से मना कर दिया था, तो उसके प्रति अपने मन में घृणा मत रखना।"

इस अनुभव से मुझे दुख नहीं हुआ। बल्कि, मैं परमेश्वर का शुक्रगुज़ार था कि उसने अपने सेवक के ज़रिए मुझे ये आशीष भरे शब्द कहे। कई दिन बीत गए। लेकिन परमेश्वर ने मुझे याद रखा और अपनी वफ़ादारी दिखाई। बाद में, परमेश्वर ने मुझे गाड़ियां और अपनी सेवा-कार्य के लिए ज़रूरी सभी उपकरण दिए। समय के साथ, उसने मुझे और मेरे साथियों को अपनी गाड़ियों से कई बार उसी एयरपोर्ट तक जाने के काबिल बनाया। हमारा परमेश्वर कितना अद्भुत है? यही परमेश्वर आज भी जीवित है.। यह कल, आज और हमेशा एक जैसा ही है।

मेरे प्यारे पाठक, क्या आप इसलिए परेशान हैं क्योंकि दूसरे आपके सिर पर मौजूद अभिषेक को नहीं पहचान रहे हैं? क्या आप अपनी मौजूदा कमज़ोर हालत को देखकर निराश हो गए हैं? क्या आपके अपने लोग आपको कमतर समझते हैं? परमेश्वर कहता है, **"तुम्हारा मन व्याकुल न हो; परमेश्वर पर विश्वास रखो और मुझ पर भी विश्वास रखो। मैं तुम्हें अनाथ नहीं छोड़ूंगा; मैं तुम्हारे पास आता हूं"** (**यूहन्ना 14:1, 18**)। उसकी इच्छा के अनुसार जीवन जिएं।

परमेश्वर आप पर अनुग्रह करे!

पृष्ठ 6 से आगे...

विपत्ति के समय कभी-कभी परमेश्वर के पास जाएं और संकट टलने पर अपनी पुरानी आदतों में लौट आएं। परमेश्वर के साथ रिश्ता होना ज़रूरी है और उतना ही ज़रूरी है कलीसिया और पास्टर का होना।

हमें उसमें बने रहने के लिए बुलाया गया है।

परमेश्वर ने हमें अपनी कलीसिया भेंट के रूप में दी है - एक आध्यात्मिक परिवार जहां हमें बल, हिम्मत और सही राह मिल सकती है, हमारे लिए प्रार्थना हो सकती है और हमें सहारा मिल सकता है।

आज की दुनिया में, चर्च जाने और आध्यात्मिक जवाबदेही को कभी-कभी पुराना या गैर-ज़रूरी माना जा सकता है।

लेकिन परमेश्वर की योजना अलग है।

हमें एक-दूसरे की ज़रूरत है।

बाइबल पर विश्वास करने वाली कलीसिया से जुड़े रहना और ईश्वरीय आध्यात्मिक अगुवाई और पास्टर की देखरेख पाना ज़रूरी है। हमें ऐसे लोगों की ज़रूरत है जो हमारे साथ प्रार्थना करें, हमें हिम्मत दें, हमें परमेश्वर का सच बताएँ और ज़रूरत के समय हमारे और हमारे परिवारों के साथ खड़े रहें।

हमें यह सफ़र अकेले तय करने के लिए नहीं बनाया गया था।

शरण की जगह होने का क्या मतलब है?

आइए हम उन सीखों को याद करें जो हमें शरण नगरों से मिल सकती हैं।

1. जिस व्यक्ति से अनजाने में किसी की मौत हो गई हो, वह सुरक्षित जगह भाग सकता था।
2. जब तक मामले की सही जांच-पड़ताल नहीं हो जाती, तब तक वह नगर सुरक्षा देता था।
3. खून का बदला लेने वाला व्यक्ति नगर में घुसकर उस व्यक्ति की जान नहीं ले सकता था।
4. सुरक्षा की कुछ सीमाएं थीं। व्यक्ति को नगर के अंदर ही रहना पड़ता था।
5. यह सुरक्षा महायाजक की मौत तक बनी रहती थी।
6. आपको क्या लगता है, उस व्यक्ति की प्रार्थना क्या रही होगी? शायद महायाजक की लंबी उम्र के लिए प्रार्थना? वह ज़रूर उस दिन का इंतज़ार कर रहा होगा जब वह आखिरकार अपनी विरासत में लौट सके।

और यहीं पर विश्वासियों के तौर पर हमारे लिए यह तस्वीर बहुत सुंदर हो जाती है।

अच्छी बात यह है कि हम अब सिर्फ़ छह भौगोलिक शहरों तक सीमित नहीं हैं।

हमारे पास उससे कहीं ज़्यादा बड़ी चीज़ है।

हमारे पास प्रभु यीशु मसीह के रूप में शरण स्थान है!

इब्रानियों ६:१८ में कहा गया है :

...जो शरण लेने को इसलिये दौड़े हैं कि उस आशा को जो सामने रखी हुई है प्राप्त करें।

हम, शरणस्थान की ओर भागे हैं - किसी भौतिक शहर में नहीं, बल्कि स्वयं प्रभु यीशु मसीह में।

प्रभु यीशु मसीह में!

- जो कोई विश्वास के साथ उसके पास आता है, उसके लिए वह शरणस्थान है।
- उसका प्रेम और निमंत्रण सभी लोगों के लिए है।
- उसकी सुरक्षा अस्थायी नहीं है, क्योंकि हमारा महान महायाजक सदा जीवित रहता है।
- वह हमारा गढ़ और मज़बूत किला हैं, दुश्मन हमें छू नहीं सकता।
- वह हमारा मुख्य पत्थर और पक्की नींव है - प्रभु कहता है, जो तुम्हें छूता है, वह मेरी आंख की पुतली को छूता है।
- जब हम उस पर भरोसा करते हैं, तो वह हमें सुरक्षित रखने में समर्थ है।
- चाहे हमने जान-बूझकर पाप किया हो या नहीं, परमेश्वर ही हमारी शरण है क्योंकि वह हमारे लिए मरा और उसका लहू हमें सभी पापों से शुद्ध करता है, और उसका अनुग्रह हमारे लिए काफ़ी है।

सवाल यह नहीं है कि हमारी परिस्थितियां कठिन हैं या नहीं।

हमें बस उसके पास जाना है, क्योंकि उसमें हमें शरण, सामर्थ और सुरक्षा मिलती है।

उसकी उपस्थिति में आएं!

प्रभु यीशु मसीह हमें यह सुंदर निमंत्रण देता है :

और जो कोई मेरे पास आएगा उसे मैं कभी न निकालूँगा। (यूहन्ना 6:37)।

क्या अद्भुत निमंत्रण है!

आज आप चाहे किसी भी परिस्थिति का सामना कर रहे हों, चाहे कोई भी लड़ाई लड़ रहे हों, चाहे कोई भी डर आपको घेरे हुए हो, चाहे भविष्य में कोई भी अनिश्चितता हो - यह याद रखें :

हमारे पास एक शरणस्थान है!

कोई अस्थायी शरणस्थान नहीं।

धन-दौलत पर बना शरणस्थान नहीं।

प्रसिद्धि पर बना शरणस्थान नहीं।

शिक्षा पर बना शरणस्थान नहीं।

सामर्थ्य पर बना शरणस्थान नहीं।

प्रतिभा पर बना शरणस्थान नहीं।

मानवीय शक्ति पर बना शरणस्थान नहीं।

और निश्चित रूप से झूठ पर बना शरणस्थान तो बिल्कुल नहीं।

हमारे पास प्रभु यीशु मसीह है!

वह हमारी शरण है।

वह हमारा गढ़ है।

वह हमारा मज़बूत गढ़ है।

वह हमारा मुख्य पत्थर है।

वह हमारी पक्की नींव है।

और चूंकि हमारा महान महायाजक सदा जीवित रहता है, इसलिए हमारी शरण भी सदा के लिए है।

इसलिए, प्यारे भाइयों और बहनों, आइए हम उसके पास जाएं। प्रभु यीशु मसीह को अपनी शरण बनाएं। उस पर पूरी तरह भरोसा करें, उसमें बने रहें और उसमें स्थिर रहें।

और याद रखें :

वह हमारी शरण है!

Posted at "Egmore RMS Patrika Channel" RN1.No.63656/95, Postal Regn.No.TN/CH/(C)/202/24-26 WPP.No.TN/PMG(CCR)/WPP-222/24-26

OUR BANK DETAILS:

1. Bank : State Bank of India

Branch : Triplicane, Chennai-5
Name : S. Sam Selva Raj
A/C No. : 1023 2934 679
IFSC : SBIN 00 00 249
SWIFT CODE : SBI NIN BB 455

2. Bank : ICICI Bank

Branch : Anna Salai, Chennai-6
Name : Echo of His Call
A/C No. : 6038 0502 2319
IFSC : ICIC 000 6038

3. Bank : State Bank of India

(This Account is for Tax Exemption for Indians only)
Branch : Triplicane, Chennai-5
Name : Echo of His Call Educational Trust
A/C No. : 1023 2923 805
IFSC : SBIN 00 00 249

OUR QR CODE:

ECHO OF HIS CALL

Google Pay: 98410 71858
PayPal : SAM SELVA RAJ
*****
E.mail : sam@echoofhiscall.org

एको ऑफ हिज़ कॉल

१६ भाषाओं में मासिक पत्रिकाएं, पत्राचार पाठ्यक्रम, कलीसिया रोपन, ग्रामीण अंग्रेज़ी हायस्कूल, सुसमाचार छापखाना, क्रूसेड, सेमिनार, समाज सेवा आदि।

वार्षिक शुल्क: रु. १००/- आजीवन शुल्क: रु. २,०००/-

एको ऑफ हिज़ कॉल की गतिविधियां आपके समान परमेश्वर के लोगों के स्वेच्छा दानों और भेंटों से पूरी की जाती हैं। आप परमेश्वर की अगुवाई के अनुसार **एको ऑफ हिज़ कॉल** और उसके सारे कार्यक्रमों को आर्थिक सहायता भेज सकते हैं। अनपहुंचे लोगों को सुसमाचार सुनाने हेतु और कलीसिया की स्थापना के लिए हमें आपकी सहायता की ज़रूरत है।

अगर आप **एको ऑफ हिज़ कॉल** मासिक पत्रिका नियमित रूप से प्राप्त करना चाहते हैं तो कृपया हमें लिख भेजें। जब कभी अपना पता या ई-मेल बदलें तो कृपया अपने पुराने एवं वर्तमान पते के बारे में अवश्य सूचना दें।

एको ऑफ हिज़ कॉल सेवकाई १६ भाषाओं की मासिक पत्रिका हमारे वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। आप इस साइट पर जाकर और उसे डाऊनलोड करके उसे पढ़ सकते हैं और आशीष पा सकते हैं।

आपके पत्र, प्रार्थना अनुरोध और आपकी आर्थिक सहायता (मनी ऑर्डर, चेक या डिमांड ड्राफ्ट, एनईएफटी, पेपॅल को(Sam Selva Raj, sam@echoofhiscall.org) PhonePe (98410 71858), Gpay (98410 71858), Western Union, MoneyGram, etc.) कृपया निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकती है।

कृपया अपना **लैंड लाईन फोन/सेल फोन क्रमांक और ई-मेल पत्ता** आवश्यक सुधार/अद्यतनीकरण के लिए भेजें।

Our address :

ECHO OF HIS CALL
10, MOHAMMED ABDULLAH 2ND STREET, CHEPAUK, CHENNAI - 600 005, INDIA
PH: (+91-44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766/ Cell: (+91) 98410 71852, 95661 31858 / E.mails: sam@echoofhiscall.org / biblecor@yahoo.co.in
Websites: www.echoofhiscall.org / www.stpaulsmatriculation.org

YOU CAN SEND YOUR DONATION ONLINE ALSO

Regd. with the RNI under No . 63656/95
Licenced to post without pre-payment
Postal Regn. No. TN/CH (C) /202/24-26
Licence No. WPP. No. TN/PMG(CCR)/WPP-222/24-26
Date of Publication: Second week of every month
Date of Posting : 8th & 9th of every month
Posted at "Egmore RMS Patrika Channel"
on 9th NOVEMBER 2026
If un-delivered please return to:
ECHO OF HIS CALL (HINDI)
P.O. Box No. 2957, Chepauk, Chennai - 600 005, INDIA.
Phone: (+ 91- 44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766

JESUS LOVES YOU!

To

GOD BLESS YOU!

Owned and published by S. Sam Selva Raj from New No. 8 & 10, Old No.18 & 19, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk, Chennai-600 005 and printed by S. Sam Selva Raj at Echo of His Call Printers, New No. 8 & 10, Old No.18 & 19, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk, Chennai-600 005. Editor: S. Sam Selva Raj.